सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम निर्धारण सम्बन्धी निर्देश

उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप शासनादेश सं० १०६५/७०-०३-२०२१-१६ (२६)/२०११ दिनांक २०/०४/२०२१ एवं उत्तर प्रदेश शासन उच्च शिक्षा अनुभाग-३ सं०-१५६७/सत्तर-३-२०२१-१६(२६)/२०११ टी.सी. लखनऊः दिनांकः १३ जुलाई, २०२१ के आलोक में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा शास्त्री (स्नातक), शोध सहित शास्त्री एवं आचार्य (स्नातकोत्तर) के पाठ्यक्रमों के विषयों एवं प्रश्नपत्रों की रूपरेखा का निर्धारण माननीय कुलपति महोदय द्वारा गठित पाठ्यक्रम निर्धारण समिति ने निर्देशों को निम्नलिखित रूप से प्रस्तावित किया है।

भाग -१

1. शास्त्री पाठ्यक्रम में कुल ०६/०८ सेमेस्टर (अधिसत्र) होंगे।
2. दो सेमेस्टर (अधिसत्र) की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर **सर्टिफिकेट / प्रमाणपत्र**, चार सेमेस्टर (अधिसत्र) की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर **डिप्लोमा**, छह सेमेस्टर (अधिसत्र) की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर **शास्त्री / स्नातक** एवं आठ सेमेस्टर (अधिसत्र) की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर **चतुर्वर्षीय शास्त्री / स्नातक (शोध सहित)** की उपाधि प्रदान की जाएगी।
3. १० सेमेस्टर (अधिसत्र) की उत्तीर्णता पर आचार्य / स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी।
4. पाठ्यक्रम में **मेजर** पद उस मुख्य विषय को इंगित करेगा जिस विषय में छात्र को शास्त्री / स्नातक अथवा आचार्य / स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। मुख्य विषय का संकाय अभ्यर्थी का अपना संकाय कहलाएगा।
5. **तृतीय मेजर** से तात्पर्य मुख्य अन्तर्विषय से होगा जिसके अन्तर्गत छात्र अपने मुख्य विषय से अतिरिक्त अपने ही संकाय के अन्तर्गत किसी अन्य विषय का चयन करेगा।
6. **माइनर इलेक्टिव प्रथम** से तात्पर्य अपने संकाय से भिन्न विश्वविद्यालय में विद्यमान किसी भी संकाय का विषय होगा।

7. **माइनर इलेक्टिव द्वितीय** से तात्पर्य विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समूह में से किसी एक से होगा। इस समूह में मेजर, अन्तर्विषय मेजर, माइनर इलेक्टिव प्रथम व कौशल विकास पाठ्यक्रम के अन्तर्गत समाहित विषयों से भिन्न विषय ही समाहित होंगे।
8. Vocational / skill Development course / **कौशल विकास पाठ्यक्रम** का तात्पर्य विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समूह के विषयों से होगा।
9. Co-curricular course से तात्पर्य सहविषय पाठ्यक्रमों से होगा जिसके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित अनिवार्य ०६ विषय समाहित हैं।
10. उत्तर मध्यमा / प्राक्शास्त्री / इण्टरमीडिएट अथवा तत्समकक्ष उपाधि परीक्षा में संस्कृत विषय न होने की स्थिति में छात्रों को शास्त्री प्रथम वर्ष के किसी एक अधिसत्र में अष्टम पत्र के रूप में संस्कृत भाषा के एक पत्र को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। इसकी गणना ग्रेडिंग अथवा श्रेणी निर्धारण में नहीं की जाएगी।
11. पालि विषय के प्रवेशार्थियों के लिए इण्टरमीडिएट में पालि विषय होने पर संस्कृत भाषा अष्टम पत्र की परीक्षा अनिवार्य नहीं है।

भाग - २

(क) शास्त्री प्रथम सेमेस्टर से चतुर्थ सेमेस्टर (अधिसत्र) पर्यन्त ०७ प्रश्न पत्र होंगे जिसके अन्तर्गत -

1. प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र मुख्य (मेजर) विषय का होगा।
2. तृतीय प्रश्न पत्र **तृतीय मेजर** मुख्य अन्तर्विषय का होगा।
3. चतुर्थ प्रश्न पत्र **माइनर इलेक्टिव प्रथम** का होगा।
4. पंचम प्रश्न पत्र **माइनर इलेक्टिव द्वितीय** का होगा।
5. षष्ठ प्रश्न पत्र **कौशल विकास पाठ्यक्रम** का होगा।
6. सप्तम प्रश्न पत्र अनिवार्य सहविषय पाठ्यक्रम का होगा। ४० प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।
7. अष्टम प्रश्न पत्र भाग-१ क्रमांक १० में वर्णित नियमानुसार निर्धारित होगा।
8. **मेजर तृतीय / माइनर इलेक्टिव प्रथम / माइनर इलेक्टिव द्वितीय/ कौशल विकास पाठ्यक्रम** के विषयों के चयन में पुनरावृत्ति की अनुमति नहीं होगी।

(ख) पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर (अधिसत्र) में कुल ०६ प्रश्न पत्र होंगे जिसके अन्तर्गत -

1. पंचम अधिसत्र में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ प्रश्न पत्र मेजर (मुख्य) विषय के होंगे।
2. षष्ठ अधिसत्र में चतुर्थ प्रश्न पत्र के अन्तर्गत लघुशोध परियोजना (माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट) की प्रस्तुति अनिवार्य होगी।
3. पंचम एवं षष्ठ अधिसत्र में पंचम पत्र Minor Elective 1 का होगा।
4. षष्ठ प्रश्न पत्र अनिवार्य सहविषय पाठ्यक्रम का होगा।

(ग) सप्तम, अष्टम सेमेस्टर (अधिसत्र) /शास्त्री चतुर्थ वर्ष (शोध सहित) में कुल ०६ प्रश्न पत्र होंगे जिसके अन्तर्गत -

1. प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ व पंचम प्रश्न पत्र मेजर (मुख्य) विषय के होंगे।
2. सप्तम सेमेस्टर (अधिसत्र) में षष्ठ प्रश्न पत्र में माइनर इलेक्टिव के अन्तर्गत शोध प्रविधि का पत्र अनिवार्य होगा।
3. अष्टम सेमेस्टर (अधिसत्र) के पंचम प्रश्न पत्र में मुख्य विषय अथवा अन्तर्विषय से सम्बन्धित मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
4. अष्टम सेमेस्टर (अधिसत्र) में षष्ठ प्रश्न पत्र में माइनर के अन्तर्गत Manuscriptology & Paliography (पाण्डुलिपि विज्ञान एवं पुरातात्विक लेखन) का पत्र अनिवार्य होगा।

(घ) नवम,दशम सेमेस्टर (अधिसत्र) / स्नातकोत्तर में कुल ०५ प्रश्न पत्र होंगे। जिसके अन्तर्गत -

1. सभी प्रश्न पत्र मेजर (मुख्य) विषय के होंगे।
2. पंचम प्रश्न पत्र में मुख्य विषय से सम्बन्धित मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

इस प्रकार शास्त्री के ०६ अधिसत्रों(तीन वर्ष) में कुल १३४ क्रेडिट निर्धारित होंगे जिसे उत्तीर्ण करने पर शास्त्री (स्नातक) की उपाधि प्रदान की जाएगी। अभ्यर्थी को ०८ अधिसत्रों (चार वर्ष)

में कुल १८४ क्रेडिट निर्धारित होंगे जिसे उत्तीर्ण करने पर शास्त्री (शोध सहित) (स्नातक शोध सहित) एवं १० अधिसत्रों (पांच वर्ष) में कुल २३४ क्रेडिट निर्धारित होंगे जिसे उत्तीर्ण करने पर आचार्य (स्नातकोत्तर) की उपाधि प्रदान की जाएगी।

(१) विद्यार्थी तीन वर्ष के मुख्य विषयों के कुल क्रेडिट का न्यूनतम ६० प्रतिशत जिस संकाय में प्राप्त करेगा उसी संकाय में उसे उपाधि प्रदान की जाएगी।

(२) एक बार क्रेडिट का उपयोग करने के पश्चात् विद्यार्थी उन पेपर के क्रेडिट का उपयोग पुनः नहीं कर सकेगा।

(३) द्वितीय वर्ष में संकाय अथवा विषय परिवर्तन की स्थिति में अर्जित क्रेडिट सर्टीफिकेट की श्रेणी में आयेंगे, न कि डिप्लोमा क्योंकि डिप्लोमा प्राप्त करने के लिये उसे उसी विषय के आवश्यक क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की प्रकृति के अनुसार न्यूनतम समान पाठ्यक्रम की नीति का अनुपालन करते हुए CBCS पद्धति पर NEP 2020 के आलोक में शासन द्वारा प्रदत्त निर्देशों के सापेक्ष निर्दिष्ट नियमावली के अनुसार उपरोक्त पाठ्यक्रम की संरचना का निर्माण किया गया है। उक्त के संदर्भ में उत्तर प्रदेश शासन उच्च शिक्षा अनुभाग-३ सं०-१५६७/सत्तर-३-२०२१-१६(२६)/२०११ टी.सी. लखनऊः दिनांकः १३ जुलाई, २०२१ एवं शासनादेश सं० १०६५/७०-०३-२०२१-१६ (२६)/२०११ दिनांक २०/०४/२०२१द्वारा निर्दिष्ट नियमों के सातत्य में इन निर्देशों का प्रस्ताव प्रस्तुत है।

शास्त्री एवं आचार्य पाठ्यक्रमों के क्रेडिट का निर्धारण (Annexure A)

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सापेक्ष शास्त्री , शास्त्री (शोध सहित) तथा आचार्य पाठ्यक्रम की संरचना)														
Major 1	4 cr	4 cr	4 cr	4 cr	Major 1	4 cr	4 cr	24	*01*	Major 1	4 cr	4 cr	6 cr	6 cr
Major 2	4 cr	4 cr	4 cr	4 cr	Major 1	4 cr	4 cr	24	*02*	Major 2	4 cr	4 cr	6 cr	6 cr
Major 3	4 cr	4 cr	4 cr	4 cr	Major 1	4 cr	4 cr	24	*03*	Major 3	4 cr	4 cr	4 cr	4 cr
Minor Elective 1	4 cr	4 cr	4 cr	4 cr	Major 1	4 cr	6 (Minor RP)	26	*04*	Major 4	4 cr	4 cr	4 cr	4 cr
Minor Elective 2	4 cr	4 cr	4 cr	4 cr	Minor Elective 1	4 cr	4 cr	24	*05*	Major 5	4 cr	6 (Major RP)	4 cr	6 (Major RP)
Vocational / Skill/Research	3 cr	3 cr	3 cr	3 cr				12	*06*	Minor	4(R.M)	4(M&P)		
Co-Curricular	Grading										Total No. of Credits. (4th Year)		Total No. of Credits.(5th Year)	
Extra Compulsary Sanskrit (for Non-Sanskrit students at +2 Level)	Non-credit course of Sanskrit Language (Only in first Semester)										24	26	24	26
Total No. of Credits. Semester wise	23	23	23	23		20	22	134			50		50	
											Total No. of Credits in Shastri with research		Total No. of Credits in Acharya	
											134+50=184		184+50=234	

पाठ्यक्रम एवं विषयों के कूटांकों का निर्धारण विश्वविद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

Cr = Credit

R.M. = Research Methodology

M&P = Manuscriptology & Paliography

Minor RP = Minor Research Project

Mijor RP = Minor Research Project

NEP 2020 के आलोक में विषयों का वर्गीकरण

Annexure -B

क्र. सं.	1	2	3	4	5	6	7
मुख्य विषय	Major 1	Major 2	Major (Inter Disciplinary)	Minor Elective 1	Minor Elective 2	Vocational / Skill/Research	Co-Curriculur
वेदवेदांगसंकायः					सरलमानक संस्कृतम्, राजशास्त्रम्, अर्थशास्त्रम्, इतिहासः, प्राचीनभारतीयेतिहासः संस्कृतिश्च, समाजशास्त्रम्, भूगोलः, थेरवादः (स्थविरवादः), प्राकृतम्, गणितम्, प्राचीनभारतीय-राजनीतिः, विज्ञानम् (जीवविज्ञानम्, भौतिकविज्ञानम्) तुलनात्मकदर्शनम्,हिन्दी, भाषाविज्ञानम्, गृहविज्ञानम, इतिहासपुराणम्, पर्यावरणम्	योग, संगणक विज्ञान, गायन, तबलावादन, सितार, तीरंदाजी, फ्रैन्च, जर्मन, चीनी, रसियन, अंग्रेजी, तिब्बती, प्राचीन फारसी, हिन्दी, नेपाली, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, मलयालम	प्रथम अधिसत्र - खाद्य, पोषण एवं स्वच्छता द्वितीय अधिसत्र - प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तृतीय अधिसत्र - शारीरिक शिक्षा एवं योग चतुर्थ अधिसत्र- मानव मूल्य, भारतीय संविधान एवं पर्यावरण अध्ययन पंचम अधिसत्र - विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल जागरूकता षष्ठ अधिसत्र - संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास
ऋग्वेदः	ऋग्वेदः	ऋग्वेदः	शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य**, सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय			
शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)	शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)	शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)	ऋग्वेदः, कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य**, सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय			
कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)	कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)	कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)	ऋग्वेदः शुक्लयजुर्वेदः, (माध्यन्दिनशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य**, सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय			
सामवेदः	सामवेदः	सामवेदः	ऋग्वेदः, शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य**, सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय			
अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः)	अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः)	अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः)	ऋग्वेदः, शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य**, सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय			

वेदनैरुक्तप्रक्रिया	वेदनैरुक्तप्रक्रिया	वेदनैरुक्तप्रक्रिया	ऋग्वेदः, शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य,** सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	**वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
पौरोहित्यम्	**पौरोहित्यम्**	**पौरोहित्यम्**	ऋग्वेदः, शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम् , सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	**वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
धर्मशास्त्रम्	धर्मशास्त्रम्	धर्मशास्त्रम्	ऋग्वेदः, शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, गणितम्, **पौरोहित्य,** सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	**वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
गणितम्	गणितम्	गणितम्	ऋग्वेदः, शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, **पौरोहित्य,** सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	**वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
सिद्धान्तज्यौतिषम्	सिद्धान्तज्यौतिषम्	सिद्धान्तज्यौतिषम्	ऋग्वेदः, शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य,** फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	**वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
फलितज्यौतिषम्	फलितज्यौतिषम्	फलितज्यौतिषम्	ऋग्वेदः, शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य,** सिद्धान्तज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्, प्राचीनव्याकरणम्	**वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
प्राचीनव्याकरणम्	प्राचीनव्याकरणम्	प्राचीनव्याकरणम्	ऋग्वेदः,शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य,** सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, नव्यव्याकरणम्,	**वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय**			

नव्यव्याकरणम्	नव्यव्याकरणम्	नव्यव्याकरणम्	ऋग्वेदः, शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः), कृष्ण-यजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः), सामवेदः, अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः), वेदनैरुक्तप्रक्रिया, धर्मशास्त्रम्, गणितम्, **पौरोहित्य**, सिद्धान्तज्यौतिषम्, फलितज्यौतिषम्, प्राचीनव्याकरणम्	**वेदवेदांगसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
साहित्यसंस्कृतिसंकायः							
साहित्यम्	साहित्यम्	साहित्यम्	**पुराणेतिहासः, प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रम्**	**साहित्यसंस्कृतिसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
पुराणेतिहासः	**पुराणेतिहासः**	**पुराणेतिहासः**	**साहित्यम्, प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रम्**	**साहित्यसंस्कृतिसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रम्	**प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रम्**	**प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रम्**	**साहित्यम्, पुराणेतिहासः**	**साहित्यसंस्कृतिसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
दर्शनसंकायः							
प्राचीनन्यायवैशेषिकम्	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्	नव्यन्यायः, सांख्ययोगम्,पूर्वमीमांसा,(वेदान्तः) **शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः** , दर्शनम्, तुलनात्मकदर्शनम्, आगमः, योगतन्त्रम्, शक्ति- विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, **तुलनात्मकधर्मः**	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			

नव्यन्यायः	नव्यन्यायः	नव्यन्यायः	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्, सांख्ययोगम्,पूर्वमीमांसा,(वेदान्तः) **शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः** , दर्शनम्, तुलनात्मकदर्शनम्, आगमः, योगतन्त्रम्, शक्ति- विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, **तुलनात्मकधर्मः**	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**
सांख्ययोगम्	सांख्ययोगम्	सांख्ययोगम्	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्, नव्यन्यायः, पूर्वमीमांसा,(वेदान्तः) **शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः** , दर्शनम्, तुलनात्मकदर्शनम्, आगमः, योगतन्त्रम्, शक्ति- विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, **तुलनात्मकधर्म**	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**
पूर्वमीमांसा	पूर्वमीमांसा	पूर्वमीमांसा	नव्यन्यायः, सांख्ययोगम्,वेदान्तः, दर्शनम्, तुलनात्मकदर्शनम्, आगमः, योगतन्त्रम्, शक्ति- विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, **तुलनात्मकधर्म**	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**
(वेदान्तः) **शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः**	वेदान्तः **(शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः)**	वेदान्तः **(शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः)**	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्, नव्यन्यायः, सांख्ययोगम्,पूर्वमीमांसा, दर्शनम्, **तुलनात्मकधर्मः**, तुलनात्मकदर्शनम्, आगमः, योगतन्त्रम्, शक्ति- विशिष्टाद्वैतवेदान्तः	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**
दर्शनम्	दर्शनम्	दर्शनम्	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्, नव्यन्यायः, सांख्ययोगम्,पूर्वमीमांसा,(वेदान्तः) **शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः** तुलनात्मकदर्शनम्, आगमः, योगतन्त्रम्, शक्ति- विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, **तुलनात्मकधर्मः**	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**
तुलनात्मकदर्शनम्	तुलनात्मकदर्शनम्	तुलनात्मकदर्शनम्	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्, नव्यन्यायः, सांख्ययोगम्,पूर्वमीमांसा,(वेदान्तः) **शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः,** दर्शनम्, आगमः, योगतन्त्रम्, शक्ति- विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, **तुलनात्मकधर्म**	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**

आगमः	आगमः	आगमः	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्, नव्यन्यायः, सांख्ययोगम्,पूर्वमीमांसा,(वेदान्तः) **शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः ,** दर्शनम्, तुलनात्मकदर्शनम्,योगतन्त्रम्, शक्ति-विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, **तुलनात्मकधर्म**	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
योगतन्त्रम्	योगतन्त्रम्	योगतन्त्रम्	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्, नव्यन्यायः, सांख्ययोगम्,पूर्वमीमांसा,(वेदान्तः) **शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः ,** दर्शनम्, तुलनात्मकदर्शनम्, आगमः, शक्ति-विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, **तुलनात्मकधर्मः**	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
तुलनात्मकधर्म	**तुलनात्मकधर्म**	**तुलनात्मकधर्म**	प्राचीनन्यायवैशेषिकम्, नव्यन्यायः, सांख्ययोगम्,पूर्वमीमांसा,(वेदान्तः) **शांकरवेदांतः, रामानुजवेदांतः, रामानन्दवेदांतः, वल्लभवेदांतः, गौडीयवेदांतः, मध्ववेदांतः, निम्बार्कवेदांतः, शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः ,** दर्शनम्, तुलनात्मकदर्शनम्, योगतन्त्रम्	**दर्शनसंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
श्रमणविद्यासंकायः							
जैनदर्शनम्	जैनदर्शनम्	जैनदर्शनम्	बौद्धदर्शनम्, पालि, प्राकृतम् एवं जैनागमः, संस्कृत विद्या	**श्रमणविद्यासंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
बौद्धदर्शनम्	बौद्धदर्शनम्	बौद्धदर्शनम्	जैनदर्शनम्, पालि, प्राकृतम् एवं जैनागमः, संस्कृत विद्या	**श्रमणविद्यासंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
पालि	**पालि**	**पालि**	बौद्धदर्शनम्, जैनदर्शनम्, प्राकृतम् एवं जैनागमः, संस्कृत विद्या	**श्रमणविद्यासंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
प्राकृतम् एवं जैनागमः	प्राकृतम् एवं जैनागमः	प्राकृतम् एवं जैनागमः	बौद्धदर्शनम्, जैनदर्शनम्, पालि, संस्कृत विद्या	**श्रमणविद्यासंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			
संस्कृतविद्या	संस्कृतविद्या	संस्कृतविद्या	बौद्धदर्शनम्, जैनदर्शनम्, पालि , प्राकृतम् एवं जैनागमः	**श्रमणविद्यासंकायः से अतिरिक्त कोई एक विषय**			

भाषाविज्ञानम्	भाषाविज्ञानम्	भाषाविज्ञानम्	राजशास्त्रम्, अर्थशास्त्रम्, इतिहासः, प्राचीनभारतीयेतिहासः संस्कृतिश्च, समाजशास्त्रम्, भूगोलः, प्राचीनभारतीय-राजनीतिः, विज्ञानम् (वनस्पतिविज्ञानम् भौतिकविज्ञानम्) गृहविज्ञानम् , इतिहासपुराणम्, सरलमानक संस्कृतम्, राजशास्त्रम्, अर्थशास्त्रम्, इतिहासः, प्राचीनभारतीयेतिहासः संस्कृतिश्च, समाजशास्त्रम्, भूगोलः, थेरवादः (स्थविरवादः), प्राकृतम्, गणितम्, प्राचीनभारतीय-राजनीतिः, विज्ञानम् (जीवविज्ञानम्, भौतिकविज्ञानम्) तुलनात्मकदर्शनम्, गृहविज्ञानम, इतिहासपुराणम्, पर्यावरणम्	आधुनिक ज्ञानविज्ञानसंकाय से अतिरिक्त कोई एक विषय				

0